हिन्दी साहित्य का इतिहास विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

खरसिया। डॉ. आरके टण्डन के निर्देशन में हिन्दी विभाग शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी भाषा साहित्य परिषद एवं छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा विगत 28 दिसम्बर को एक साहित्यिक संगोष्ठी के रूप में कार्यशाला का आयोजन किया गया। संयोजक प्रो. डीके संजय एवं सह संयोजक प्रो. कुसुम चौहान ने कार्यशाला के विषय के रूप में एमए हिन्दी के पाठ्यक्रम की विषय वस्तु हिन्दी साहित्य का इतिहास को चुना। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. टण्डन ने छात्रों में वाक्तृत्व कला विकसित हो तथा आगामी सेमेस्टर परीक्षा जनवरी 2024 की तैयारी में सहायक हो, इस बात का चिंतन करते हुए छात्रों को मंचासीन किया और वक्ता बनाया। मंच संचालन, शारदे पूजन से लेकर आभार तक छात्रों से ही कराया गया। मंच संचालन करते हुए बुबुन घृतलहरे ने समस्त छात्र अतिथियों को मंच पर आहूत किया। मंचासीन छात्रों ने मां शारदे की पूजा की। श्रेया सागर ने राज्यगीत की प्रस्तुति दी। मंचासीन छात्रों के स्वागत उपरान्त मुख्य अतिथि सुश्री छाया राठौर, कार्यक्रम अध्यक्ष सुश्री शकुन्तला राठिया तथा विशिष्ट अतिथि रेणु पटेल, कविता चन्द्रा, यामिनी राठौर, हेमराज जायसवाल ने अलग-अलग विषयों पर जैसे किसी ने इतिहास लेखन की परम्परा, अन्य ने भ्रमर गीत परम्परा,

तुलसीदास का जीवन परिचय, बिहारीलाल का जीवन परिचय, पुष्टिमार्ग एवं अष्टछाप के कवि, संत कबीर का जीवन परिचय आदि पर छात्रों को सम्बोधित किया। आभार श्रेया सागर ने किया। आयोजक छात्रों ने दर्शक दीर्घा में उपस्थित अतिथि छात्रों गीता पटेल, हीरालाल खूंटे, शिक्षक बलराम साहू, शिक्षिका प्रियंका पटैल, अंचल पटैल का भी गुलदस्ते से स्वागत किया। मंचासीन छात्रों के सम्मुख अर्चना राठौर, मनीषा डनसेना, छाया डनसेना, हेमलता सिदार, राजेश्वरी, सुनिता मिरी, पायल जायसवाल, अन्नपूर्णा जायसवाल, शशिकला महंत, अम्बिका राठिया, हेमलता, अनिषा घृतलहरे, राजेश साहू, रोशन, अमन, रूकमणी राठिया, देविका राठिया के साथ विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. रमेश टण्डन और प्रो. कुसुम चौहान ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।